भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3768 का उत्तर

गुजरात और बिहार में पर्यटन और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों के लिए रेल परियोजना

3768. श्री प्रदीप कुमार सिंह:
श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान देश में पर्यटन और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों को रेल सुविधाओं से जोड़ने की किसी परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस संबंध में गुजरात और बिहार विशेषकर अररिया लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में पर्यटन और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों के लिए किन्हीं परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार/निर्वाचन-क्षेत्र-वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य/निर्वाचन-क्षेत्र की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा

उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्व, पर्यटक और सांस्कृतिक क्षेत्रों तक संपर्कता आदि के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड तथा धन की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

पिछले 3 वर्षों अर्थात् वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 के दौरान और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 197 परियोजनाएं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 8,089 किलोमीटर तथा लागत 1,51,922 करोड़ रुपए है, को देशभर में स्वीकृत किया गया है, जो अन्य बातों के साथ-साथ पर्यटक और सांस्कृतिक स्थानों तक संपर्कता को बेहतर बनाएंगी।

<u>बिहार</u>

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

पिछले 3 वर्षों अर्थात् वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 के दौरान और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 16 परियोजनाएं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 951 किलोमीटर तथा लागत 23,819 करोड़ रुपए है, स्वीकृत की गई हैं।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 55 परियोजनाएं (31 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 22 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 5,064 किलोमीटर तथा लागत 79,356 करोड़ रु. है, योजना/अनुमोदन/निष्पादन के चरण में है, जिनमें से 1,194 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 26,983 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	31	2712	464	13,629
आमान परिवर्तन	2	348	288	1,520
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	22	2005	442	11,834
कुल	55	5,064	1,194	26,983

इन परियोजनाओं में जोगबनी-बिराटनगर नई लाइन (18 कि.मी.), अररिया-सुपौल नई लाइन (96 कि.मी.), अररिया-गलगलिया नई लाइन (111 कि.मी.) और कटिहार-जोगबनी-बारसोई-राधिकापुर-तेजनारायणपुर आमान परिवर्तन (280 कि.मी.) शामिल हैं।

2023-24 में सकरी-लौकहा बाजार-निर्मली और सहरसा-फारबिसगंज आमान परिवर्तन (206 कि.मी.) को भी कमीशन कर दिया गया है।

इसके अलावा, फारबिसगंज (भारत)-लक्ष्मीपुर नई लाइन (18 कि.मी.), अररिया-ठाकुरगंज (111 कि.मी.) का दोहरीकरण, कटिहार-जोगबनी (108 कि.मी.) का दोहरीकरण के सर्वेक्षण को हाल ही में स्वीकृत किया गया है।

उपरोक्त सभी परियोजनाएँ/सर्वेक्षण पूर्णतः/अंशतः अररिया में पड़ते हैं।

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार हैः-

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,132 करोड़ रु./वर्ष
2024-25	10,033 करोड़ रु. (8 गुना से अधिक)

2009-14 और 2014-2024 के दौरान, बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली नई पटरियों को कमीशन करने/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है -

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 किलोमीटर	63.6 किलोमीटर/वर्ष
2014-24	1,669 किलोमीटर	166.9 किलोमीटर/वर्ष (लगभग 3 गुना)

<u>गुजरात</u>

गुजरात राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पश्चिम रेलवे और उत्तर पश्चिम रेलवे जोनों में आती हैं। रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

पिछले 3 वर्षों अर्थात् वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 के दौरान और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 29 परियोजनाएं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 1,272 किलोमीटर तथा लागत 17372 करोड़ रुपये है, स्वीकृत की गई हैं।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, गुजरात राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 42 परियोजनाएं (06 नई लाइन, 22 आमान परिवर्तन और 14 दोहरीकरण) जिनकी कुल

लंबाई 2,947 किलोमीटर तथा लागत 30,826 करोड़ रु. है, योजना/अनुमोदन/निष्पादन के चरण में है, जिनमें से 825 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 9,336 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	6	537	105	3332
आमान परिवर्तन	22	1634	671	4655
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	14	776	50	1349
कुल	42	2947	825	9336

गुजरात राज्य में पूर्णतः अंशतः पड़ने वाले अवसंरचना/परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार हैः-

अवधि	परिव्यय
2009-14	589 करोड़ रुपए/वर्ष
2024-25	8,743 करोड़ रुपए (14 गुना से अधिक)

2009-14 और 2014-2024 के दौरान, गुजरात राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली नई पटरियों को कमीशन करने/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है -

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	660 कि.मी.	132 कि.मी./वर्ष
2014-24	2,244 कि.मी.	224 कि.मी./वर्ष (लगभग 02 गुना)

गुजरात में महत्वपूर्ण उच्च गति बुलेट गाड़ी परियोजना पर निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली है। अब 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो चुका है। गुजरात राज्य में पड़ने वाली इस परियोजना के लगभग 352 कि.मी. खंड में से 225 कि.मी. के लिए वायाडक्ट का निर्माण भी पूरा हो चुका है।

पश्चिमी समर्पित मालभाड़ा गलियारा भी गुजरात से होकर गुजरता है। पश्चिमी समर्पित मालभाड़ा गलियारा का लगभग 565 मार्ग कि.मी. गुजरात में स्थित है, जो पश्चिमी समर्पित मालभाड़ा गलियारे की कुल मार्ग लंबाई का लगभग 37% है। गुजरात राज्य में पड़ने वाली पूरी परियोजना लंबाई को कमीशन कर दिया गया है।

*****